लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2366

14 दिसम्बर, 2015 को उत्तर के लिए

लौह अयस्क की आपूर्ति

2366. श्रीमती कमला पाटले:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) छत्तीसगढ़ सहित देश में शुरू किए गए राज्य-वार स्पंज आयरन संयंत्रों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) इन संयंत्रों को लौह अयस्क मुहैया कराता है;

(ग) यदि हां, तो क्या उक्त संयंत्रों के लिए मुहैया कराई जा रही लौह अयस्क की मात्रा पर्याप्त है;

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार लौह अयस्क की मात्रा बढ़ाने पर विचार कर रही है;

(ङ) क्या ये संयंत्र उड़ीसा सहित अन्य राज्यों से भी लौह अयस्क प्राप्त करते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या उड़ीसा राज्य प्रशासन ने अपने राज्य से अन्य राज्यों को लौह अयस्क के परिवहन पर प्रतिबंध लगाया है; और

(छ) यदि हां, तो केंद्र सरकार द्वारा उक्त संयंत्रों को पर्याप्त लौह अयस्क आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क) देश में स्थापित स्पंज आयरन संयंत्रो की राज्य-वार संख्या नीचे दी गई है:

स्पंज आयरन संयंत्रो का राज्य-वार वितरण: 2014-15

राज्य	संयंत्रों की संख्या
पूर्वी क्षेत्र	
झारखण्ड	64
ओडिशा	122
पश्चिम बंगाल	41
पश्चिमी क्षेत्र	
छत्तीसगढ़	57
गोवा	3
गुजरात	2
महाराष्ट्र	13
दक्षिणी क्षेत्र	
आंध्र प्रदेश	9
कर्नाटक	31
केरल	2
तमिलनाडु	7
तेलंगाना	15
सकल योग	**366**
स्रोत : जेपीसी	

(ख): जी हॉ। नेशनल मिनरल्स डेवलेवमेंट कारपोरेशन (एनएमडीसी) देश में कुछेक स्पंज आयरन यूनिटो को लौह अयस्क प्रदान करती है।

(ग) से (ड.): एनएमडीसी भारत में एक तिहाई से कम लौह अयस्क आपूर्तियॉ करती है। शेष आपूतियॉ निजी पार्टियों द्वारा की जाती है। अतएव, लौह अयस्क आपूर्ति की पर्याप्यता पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह पूर्ण रूप से बाजार और वाणिज्यिक घटकों से निर्धारित होती है। इस्पात वर्ष 1992 से एक नियत्रण मुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधादाता मात्र के रूप में होती है। इसलिए, इस्पात परियोजनाओं के लिए निवेश, उत्पादन और कच्चे माल की प्राप्ति निवेशको के वाणिज्यिक विवेक और बाजार गतिशीलता के आधार पर उनके सचेत निर्णय पर निर्भर करते हैं। यह भी उल्लेख किया जा सकता है कि समग्र राष्ट्रीय स्तर पर देश में लौह अयस्क की उत्पादन क्षमता की कोई कमी नहीं है।

(च): ओडिशा राज्य प्रशासन ने लौह अयस्क का राज्य से दूसरे राज्यों में परिवहन करने पर प्रतिबंध नहीं लगाया है।

(छ) : प्रश्न नहीं उठता ।

***